नवाचारिक अध्यापक मापनी

गोपनीय
—पर्यवेक्षक—
प्रो॰ सुबोध अदावल

(केवल शोध कार्य हेतु)
—शोधकर्ता—
—प्रदीप शुक्ला—

प्रस्तुत मापनी का उद्देश्य नवाचारिक अध्यापकों का पता लगाना है। अगले पृष्ठों पर कुछ वाक्य खण्ड एवं उक्तियां अध्यापक के विद्यालयीय कृत्यों के सन्दर्भ में दी गई हैं। आप इन वाक्य खण्डों एवं उक्तियों को ध्यान से पढ़ें और अपने अनुभव एवं अध्यापन कौशल के व्यक्तिगत ज्ञान के आधार पर अपना वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन मापनी के किसी एक पद पर सही का निशान लगा कर दें।

आप किस क्रिया को किस सीमा तक करते हैं या कोई उक्ति आपके साथ कितनी घटित होती है इसे यथा सम्भव सही सही व्यक्त करें।

उदाहरण—

वाक्यखण्ड/उक्तियां	मापनी				
	(कभी भी नहीं)	(कभी कभी)	(सामान्यतः)	(अधिक)	(बहुत अधिक)
शिक्षण में प्रयुत नवीन मशीनी का उपयोग करते हैं	( )	( )	( )	( )	( )

इस प्रकार अपना मूल्यांकन करते समय निष्पक्षता एवं वस्तु निष्ठता आवश्यक है। प्रत्येक वाक्य खण्ड पर अपना मत अवश्य दें।

निम्न तालिका को भरें

. आपके विद्यायलय का नाम व पता:
. अध्यापक का नाम :
. अध्यापक का अध्यापन विषय :
. अध्यापक का शिक्षण अनुभव :
. अध्यापक का वेतन :

वाक्य उप/उक्तियां	मापनी				
	बहुत अधिक	अधिक	सामान्य	कम	बिल्कुल नहीं
. शिक्षण में प्रयुक्त होनेवाली मशीनों लिंग्वाफोन, स्लाइड्स आदि से परिचित है	( )	( )	( )	( )	( )
. शिक्षा में नये प्रयोगों से परिचित है	( )	( )	( )	( )	( )
. शिक्षा की नवीन तकनीकों से परिचित है परन्तु उनका उपयोग नहीं करते	( )	( )	( )	( )	( )
. छोटे बच्चों को प्रत्यय ज्ञान नवीन मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों के आधार पर देते है	( )	( )	( )	( )	( )
. शिक्षण में प्रयुक्त होने वाली नये मॉडल, चार्ट आदि के प्राप्ति स्थल को जानते है	( )	( )	( )	( )	( )
. शिक्षण में प्रयुक्त होने वाली नई सामग्रियों, विधियों में दिलचस्पी रखते है	( )	( )	( )	( )	( )
बच्चों के शिक्षण से सम्बन्धित सूचनाओं के संग्रह का प्रयास करते है	( )	( )	( )	( )	( )
अन्य स्थानों पर किये गये शैक्षिक प्रयोगों एवं शिक्षा में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों की को जानकारी के लिए वहां जाने में इच्छुक रहते है	( )	( )	( )	( )	( )
शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सृजनात्मक शिक्षण पद्धति एवं नवीनतम आविष्कारों के प्रयोग के सम्बन्ध में अपने सहयोगियों एवं प्रधानाचार्य से विचार विमर्श करते है	( )	( )	( )	( )	( )
प्रभावशाली शिक्षण के लिए मानेजाने ख्याति प्राप्त अध्यापकों से सलाह लेने में संकोच करते है	( )	( )	( )	( )	( )
पाठ्यक्रम के किसी भी प्रकरण को बच्चों को पढाने से पूर्व वे पढ़ाने के नये तरीकों की पाठ्ययोजना बनाते है	( )	( )	( )	( )	( )
कक्षा शिक्षण में अक्सर साधारण रूप से उपलब्ध लकडी, कंकड आदि से माडल बनाकर समस्या समाधान करते है	( )	( )	( )	( )	( )
शिक्षा की नवीनतम विधाओ के संदर्भ में अन्य विद्यालयों से सम्पर्क स्थापित करते है	( )	( )	( )	( )	( )

	बहुत अधिक	अधिक	सामान्य	कम	बिल्कुल नहीं
१४. पढ़ाने में नवीनतम तकनिकियो एवं सामग्रियों के कक्षा में प्रयोग करने से पहले कुछ विद्यर्थियों पर उसका प्रभाव देखते है	( )	( )	( )	( )	( )
१५. अन्यस्थानों पर उपयोग में लायी जानेवाली नई शिक्षण विधियों एवं शिक्षण सामग्रियों के विषय में विशेषज्ञों एवं वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग लेते है	( )	( )	( )	( )	( )
१६. अपने द्वारा प्रयोग की गई विधियों और सामग्रियों की उपयोगिता और प्रभाव शीलता की समीक्षा एवं मुल्यांकन करते है	( )	( )	( )	( )	( )
१७ सिक्षण में अपने द्वारा किये गये प्रयोगों की दूसरों द्वारा की गई समीक्षा का स्वागत करते है	( )	( )	( )	( )	( )
१८. शिक्षण की नवीन तकनीकों एवं उपकरणों के प्रयोग में आनेवाली कठिनाइयों से घबड़ाते है	( )	( )	( )	( )	( )
१९. नये उपकरणों, विधियों एवं सामग्रियों की पेचिदगीयों को सुलझा लेते है और उनके पुनः प्रयोग पर बल देते है	( )	( )	( )	( )	( )
२०. नवीनतम शैक्षणिक विधाओं को अपनाने से पूर्व उनका मनोवैज्ञानिक सैद्धान्तिक और आर्थिक पहेलुओं का आलोचनात्मक विश्लेषण करते है	( )	( )	( )	( )	( )
२१. इन विधियों से शैक्षणिक उद्देश्यों की किस सीमा तक प्राप्ति हुई है इसका मूल्यांकन करतें है	( )	( )	( )	( )	( )
२२. वस्तुनिष्ठ आकड़ों के माध्यम से बालक की शैक्षणिक निष्पत्ति का मूल्यांकन नई विधियों के सदर्भ में करतें है	( )	( )	( )	( )	( )
२३. नवीन एवं पारम्परिक शैक्षिक विधियों के प्रयोग से बालक के शैक्षिक अभिवृत्ति में अन्तर की तुलना करते है	( )	( )	( )	( )	( )
२४. नवीनतम शैक्षणिक विधियों खोजों को अपनाने में तत्परता दिखाता है	( )	( )	( )	( )	( )
२५. पाठ्य वस्तु को सरल और रुचिकर बनाने के लिए स्वनिर्मित नई विधि या नई सामग्री का नित्य प्रयोग करते है	( )	( )	( )	( )	( )
२६. शिक्षण में प्रयुक्त नवीन विधाओं के प्रयोग से बालको की उपलब्धि में आये गुणात्मक परिवर्तन से प्रभावित होते है	( )	( )	( )	( )	( )
२७. अपने प्रयोगों नये शैक्षणिक माडेल्स की अध्यापक गोष्ठियों में चर्चा करते है	( )	( )	( )	( )	( )
२८. अपने प्रयोगों की सफलता पर पत्रिकाओं के लिए लेख लिखते है	( )	( )	( )	( )	( )

Scoring Sheet

Test No.	LEVEL OF WORK EXPECTED No. of codes expected	LEVEL OF WORK COMPLETED No. of codes completed	Goal "D" Score
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
TOTAL			
MEAN			

केवल शोध कार्य हेतु

Level Of Aspiration Coding Test (LACT)

आकांक्षा स्तर संकेत परीक्षा (आसंपरी)

नाम .... आयु .... वर्ष .... माह .... स्त्री/पुरुष ....

जाति .... धर्म .... कालेज विद्यालय ....

पिता/संरक्षक की आय .... पिता/संरक्षक की शिक्षा ....

पिता संरक्षक का व्यवसाय .... शिक्षण अनुभव .... वर्ष

निर्देश :

१. नीचे खानों और [illegible] हिन्दी के अक्षर खानों में दिये हुए हैं और हर अक्षर के लिये विशिष्ट संकेत-आकृति उसके ऊपर वाले खाने में दी गई है। अ के लिये वृत्त, ब के लिये समानान्तर चतुर्भुज, स के लिये त्रिकोण, द के लिये वर्ग, य के लिये वृत्त के अन्दर [illegible] आकृति [illegible] हैं। अक्षरों और उनकी संकेत आकृतियों को अच्छी तरह देख समझ कर दाहिनी ओर दिये [illegible] भांति भरिये —

उदाहरण :

संकेत तालिका

संकेत-आकृतियाँ	○	▱	△	□	⊙
अक्षर	अ	ब	स	द	य

समस्या

अ	ब	स	द	य

२. इस परीक्षण का उद्देश्य किसी कार्य को लगातार करने से पहले आप जो आकांक्षा-स्तर रखते हैं उसे मापना है। प्रत्येक पृष्ठ पर अक्षर और उनसे सम्बन्धित संकेत-आकृति की तालिका दी हुई है। उसके नीचे खानों में अक्षर दिये गये हैं। आपको प्रत्येक अक्षर के ऊपर उदाहरण में बताये अनुसार संकेत-आकृति भरनी है। गलती न करें, कार्य शीघ्रता से करना है।

३. इस परीक्षण के सात भाग हैं। प्रत्येक के लिये ३० सेकेण्ड का समय निर्धारित है। समय समाप्त होने पर आपको कार्य रोकने का निर्देश दिया जायगा। तत्काल ही आपको कार्य रोक देना होगा।

४. इन निर्धारित समय में आप जो जितनी संकेत-आकृतियाँ भर देने की आशा है, उनकी संख्या 'प्रारम्भ' का निर्देश प्राप्त होने से पहले ऊपर दी गई जगह में लिख दें। समय समाप्ति का निर्देश मिलने के बाद आप अपने द्वारा भरी गयी संकेत-आकृतियों की संख्या नीचे दिये गये स्थान [illegible] (खाली जगह) भर दें।

५. आपको हर सही भरी गई संकेत-आकृति पर एक अंक प्राप्त होगा। किसी भी खाने को खाली न छोड़ें।

६. यदि कोई निर्देश या संकेत आकृति भरने सम्बन्धी बात आपकी समझ में न आयी हो तो कक्षा निरीक्षक से पूछ लें। [illegible] होने पर किसी से भी बात करने की अनुमति नहीं है।

[illegible] की प्रतीक्षा करें। केवल निर्देश प्राप्त होने पर ही पृष्ठ उलटें। अपने द्वारा सर्वप्रथम भरी जाने वाली संकेत आकृतियों की संख्या लिखें। [illegible] के निर्देश पर ही कार्य आरम्भ करें।

जब तक कहा न जाए मत खोलें

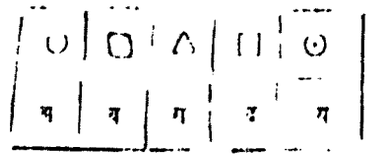

93

संकेत तालिका

भाग-एक

∪	□	∧	[ ]	⊙
प	ब	ग	द	ग

मुझे आशा है मैं ....संकेत, आकृतियां भर लूंगा/लूंगी।

[illegible]	ग	[illegible]	ग	[illegible]	ब	ग	द	ग	ग	ग	प	ग	ग	ग
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५

प	प	ब	प	द	अ	स	प	अ	ग	स	ब	य	स	ग
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

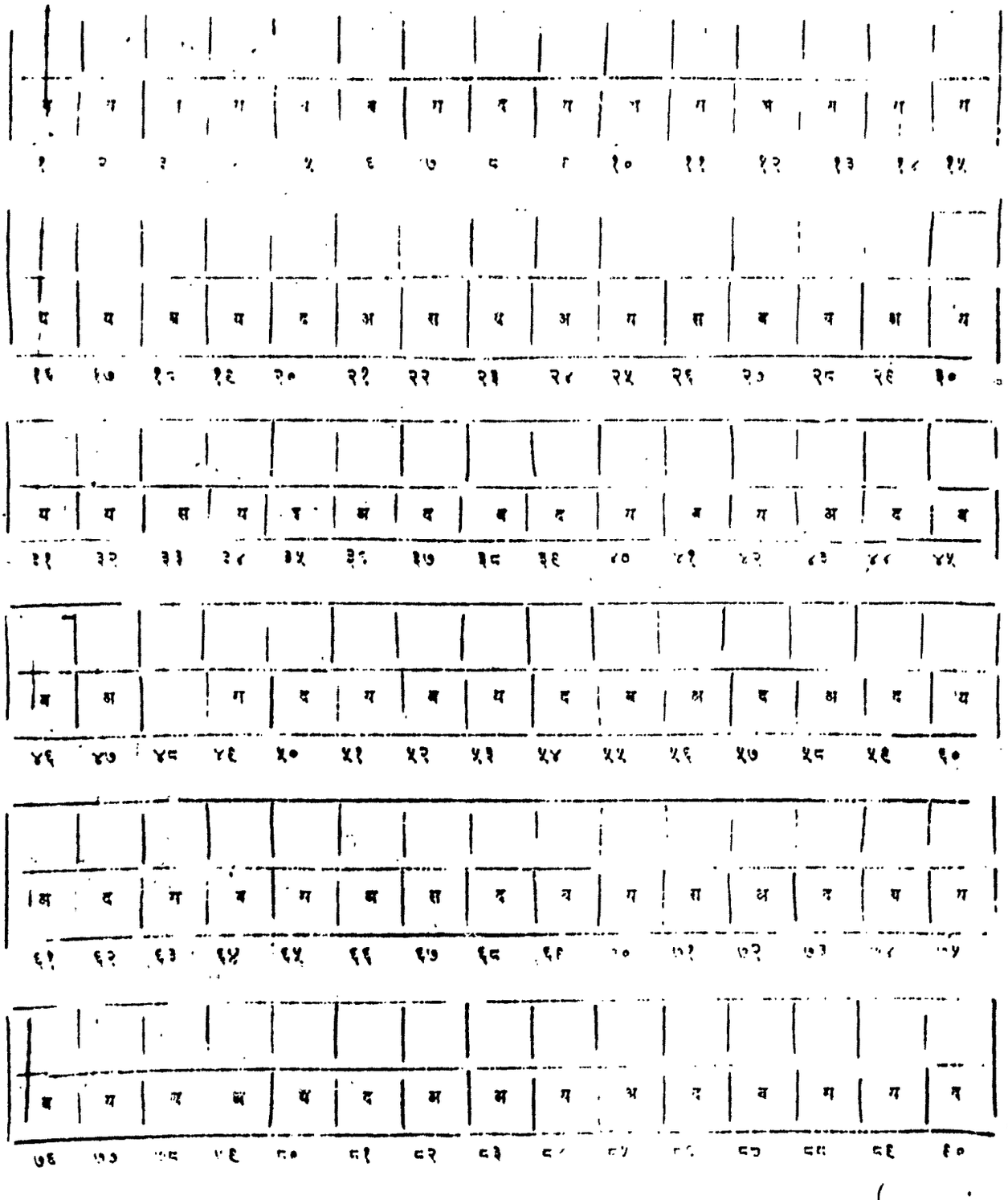

य	य	स	य	द	ब	द	ब	द	ग	ब	ग	अ	द	ब
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५

ब	अ		ग	द	ग	ब	य	द	ब	अ	द	अ	द	य
४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०

अ	द	ग	ब	ग	ब	स	द	य	ग	स	अ	द	य	ग
६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५

ब	ग	ग	ब	य	द	अ	अ	ग	अ	द	ब	ग	ग	ग
७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०

मैंने ....संकेत-आकृतियां भर दी हैं।

प्राप्तांक............

(परीक्षक द्वारा)

संकेत तालिका

○	▢	△	□	⊙
अ	ब	स	द	य

मुझे आशा है कि ... .संकेत, आकृतियाँ भर लूँगा/लूँगी।

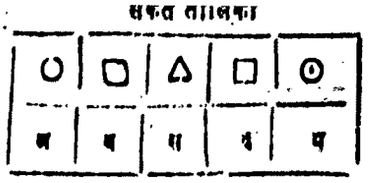

म	अ	य	अ	ब	ग	अ	य	ब	ब	द	स	द	ब	म
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५

अ	ब	स	द	द	स	य	स	अ	य	ब	अ	द	ब	य
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

द	स	ब	अ	ब	य	ब	अ	द	स	अ	य	ब	ब	अ
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५

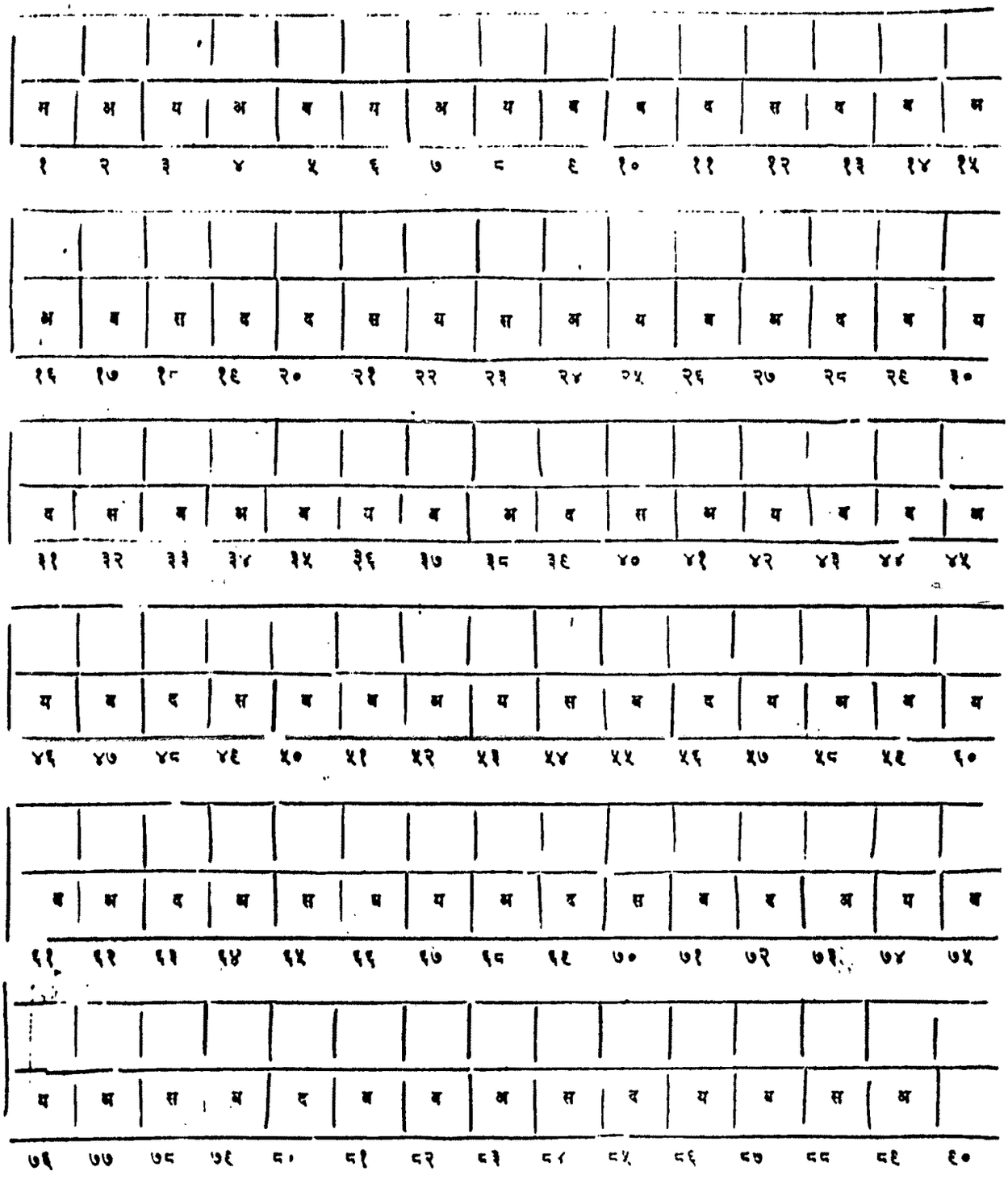

य	ब	द	स	ब	ब	अ	य	स	ब	द	य	अ	ब	य
४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०

ब	अ	द	अ	स	ब	य	अ	द	स	ब	द	अ	य	ब
६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५

ब	अ	स	अ	द	ब	ब	अ	स	द	य	ब	स	अ	
७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०

मैंने .... संकेत-आकृतियाँ भर दी हैं।

प्राप्तांक ....

(परीक्षक द्वारा)

संकेत तालिका

◡	▢	△	□	⊙
अ	ब	ग	द	य

मुझे आशा है कि ... .संकेत, आकृतियाँ भर लूँगा/लूँगी।

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
य	अ	अ	ब	ग	अ	य	ब	ग	ब	ग	ग	ग	ग	द

१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
ब	द	ब	अ	अ	य	य	अ	ग	अ	ब	ग	ब	ब	द

३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५
अ	ग	ग	अ	ब	ग	ब	य	ग	य	य	ग	य	द	ब

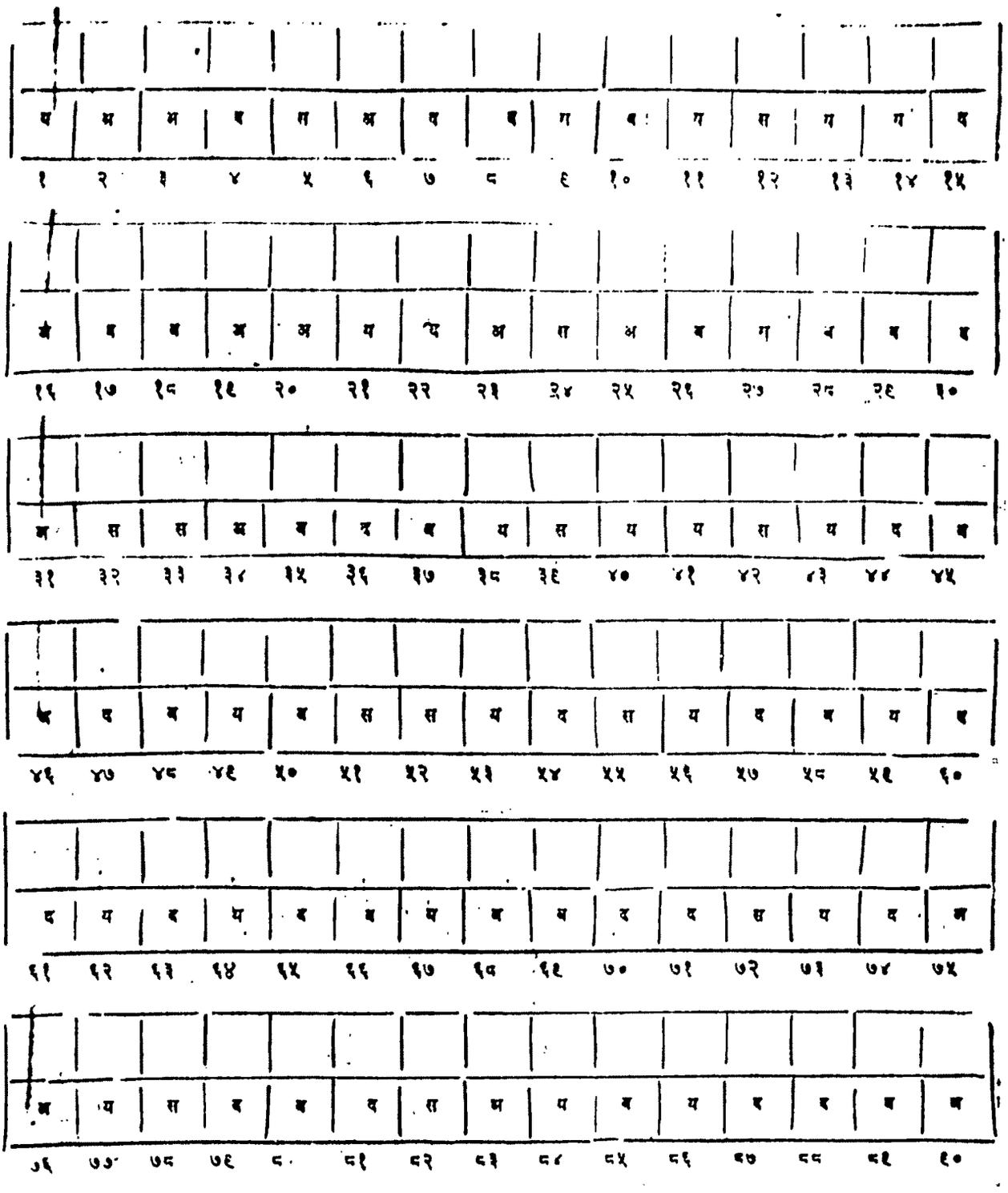

४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
द	द	ब	य	ब	ग	ग	य	द	ग	य	द	ब	य	द

६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५
द	य	द	य	द	ब	य	ब	ब	द	द	ग	य	द	अ

७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
अ	य	ग	द	ब	द	ग	अ	य	ब	य	द	द	ब	अ

मैंने ....संकेत-आकृतियाँ भर ली हैं।

प्राप्तांक............ ...

(परीक्षक द्वारा)

भाग-चार

(· संकेत तालिका

○	▢	△	⊔	⊙
म	व	ग	र	ग

मुझे आशा है मैं ... .संकेत, आकृतियां भर लूंगा/लूंगी।

म	य	अ	ब	द	ब	य	ब	म	स	ब	व	म	स	द
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५

स	द	ब	ब	अ	स	ग	य	द	स	ब	म	घ	द	य
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

स	य	ग	द	द	ग	य	द	स	ब	द	द	द	म	म
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५

म	द	ग	ब	ब	द	य	म	ब	द	ब	ब	म	द	द
४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०

ग	य	य	स	म	ग	द	घ	म	द	स	ब	ब	य	म
६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५

य	ब	म	म	ग	द	ब	म	द	स	द	य	य	ब	म
७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०

मैंने ....संकेत-आकृतियां भर ली है।

प्राप्तांक...............

(परीक्षक द्वारा)

संकेत तालिका

○	▢	△	⊔	⊙
अ	ब	स	द	य

मुझे आशा है मैं ....संकेत, आकृतियां भर दूंगा/दूंगी।

स	ब	स	य	अ	अ	स	ब	य	द	ब	अ	अ	य	स
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५

ब	अ	स	य	ब	द	स	स	द	ब	ब	द	द	अ	य
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

द	ब	द	य	ब	य	य	ब	अ	द	य	म	द	अ	य
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५

स	ब	य	अ	य	अ	ब	य	ब	य	अ	द	य	द	स
४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०

ब	ब	द	द	अ	द	ब	अ	अ	ब	य	य	ब	स	य
६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५

स	ब	ब	अ	अ	ब	स	द	य	द	य	य	ब	द	ब
७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०

मैंने............संकेत-आकृतियां भर दी हैं।

प्राप्तांक...............

(परीक्षक द्वारा)

संकेत तालिका

○	▢	△	□	⊙
अ	ब	स	द	य

भाग-छह

मुझे आशा है मैं .... संकेत, आकृतियाँ भर दूँगा/दूँगी।

य	स	स	ब	द	य	स	अ	ब	स	ब	अ	द	स	ब
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५

य	ब	य	ब	य	अ	य	अ	ब	द	अ	स	ब	य	य
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

ब	ब	य	ब	ब	द	अ	य	स	अ	स	ब	ब	द	ब
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५

अ	य	स	द	ब	ब	अ	य	अ	य	अ	द	अ	ब	अ
४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०

ब	अ	द	अ	ब	अ	स	अ	य	स	ब	ब	द	ब	ब
६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५

ब	ब	य	स	द	अ	ब	स	ब	अ	ब	य	ब	ब	य
७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०

मैंने .... संकेत-आकृतियाँ भर दी हैं।

प्राप्तांक...............

(परीक्षक द्वारा)

⊙	▢	△	□	⊙
अ	ब	स	द	य

मुझे आशा है मैं ....संकेत, आकृतियां भर लूंगा/लूंगी।

ब	ब	ब	स	ब	स	अ	य	स	द	स	य	स	द	अ
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५

ब	अ	य	अ	ब	य	स	य	स	स	ब	द	य	द	ब
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

द	ब	अ	स	अ	ब	द	स	द	अ	य	द	य	द	स
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५

द	द	य	स	य	ब	अ	स	अ	य	ब	य	स	य	स
४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०

स	द	अ	ब	स	य	अ	द	स	स	अ	ब	स	य	अ
६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५

अ	ब	द	स	द	स	ब	अ	स	अ	स	य	द	ब	स
१६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०

मैंने ....संकेत-आकृतियां भर ली है।

प्राप्तांक...............

(परीक्षक द्वारा)

गोपनीय

सृजनात्मक चिन्तन-चित्रों द्वारा

(Thinking Creatively with Figures)

डा० बाक़र महदी

एम. ए. (कोलम्बिया), पी-एच. डी. (अलीगढ़)
प्रोफ़ेसर आफ़ एजूकेशन,
एन. सी. ई. आर. टी., नई देहली-१६

—: इन्हें भरो :

नाम.....जन्म तिथि.....आयु.....

कक्षा.....अनुभाग.....विद्यालय.....

पिता या अभिभावक का नाम.....व्यवसाय.....

घर का पता.....दिनांक.....

निर्देश

(१) जीवन में नवीनता, मौलिकता एवं रचनात्मक योग्यता का बड़ा महत्व है। जीवन की प्रत्येक नई खोज मनुष्य के नये ढंग से सोचने की योग्यता का परिणाम है। संसार की बहुत सी ऐसी वस्तुएं हैं जिन्हें हम नये-नये विचारों द्वारा अनोखी और उपयोगी बना सकते हैं। ऐसी योग्यता रखने वाले व्यक्तियों ने ही नई-नई खोज एवं आविष्कार किये हैं।

(२) आगे के पृष्ठों पर कुछ आकृतियां दी गई हैं जिनको आधार मानकर यदि आप विचारात्मक एवं सृजनात्मक ढंग से सोचेंगे तो आप बहुत से नवीन तथा रोचक चित्र बनाने में सफल हो सकेंगे। प्रत्येक आकृति को आप ध्यानपूर्वक देखिये और फिर चित्र बनाने के लिये अपनी चिन्तन शक्ति का अधिकाधिक प्रयोग कीजिये। प्रत्येक चित्र के लिये आपको नवीन तथा रोचक शीर्षक भी सोचकर लिखना है। आपको इन कार्यों के करने में बहुत आनन्द आएगा।

(३) इस पत्रिका में आपको तीन कार्य करने के लिये दिये गये हैं। प्रत्येक कार्य के लिये अलग-अलग समय आपकी सुविधा के लिये निश्चित है। हर कार्य को शीघ्रतापूर्वक करने का प्रयत्न कीजिये। यदि आप किसी कार्य को निश्चित समय से पहले पूरा कर लेते हैं तो जब तक आपसे अगले कार्य के लिये न कहा जाय, आगे न बढ़ें बल्कि उसी कार्य के बारे में शान्तिपूर्वक सोचते रहें और जो भी नया विचार आपके मन में आये उसे भी जोड़ दें। अन्त में पांच मिनट का समय और दिया जायेगा। यदि आपके मन में किसी भी कार्य के किसी भाग के बारे में कोई नवीन विचार आया है जिसे आप पहले नहीं जोड़ पाये हैं, तो उसे इस समय में जोड़ सकते हैं।

(४) प्रत्येक कार्य के हर भाग को पूरा कीजिये। जब आपसे कार्य आरम्भ करने को कहा जाय तो तुरन्त शुरू कर दीजिये।

यदि आपको कोई बात पूछनी है तो इस समय पूछ लीजिये। यदि इस समय कोई कठिनाई नहीं है और बाद में कोई कठिनाई आये तो शान्तिपूर्वक अपने स्थान से अपना हाथ उठायें ताकि आपकी कठिनाई दूर की जा सके।

Published by Mrs. Qamar Fatima, 3, Ghafooran Manzil, Dudhpur, Aligarh.

Copyright 1974, 1979 Reserved with the author.

कार्य—१

निर्देश:

अगले पृष्ठ पर दो आकृतियां बनी हैं। प्रत्येक आकृति को अंग मानकर कोई ऐसा चित्र सोचकर बनाइये जो आपके विचार में कोई और न सोच सकता हो। चित्र बनाने के लिए आप कागज को किसी ओर ऊपर-नीचे, दायें-बायें घुमा सकते हैं। चित्र को नये-नये विचारों से जितना रोचक बना सकते हैं, बनाइये। चित्र को नवीन और रोचक बनाने के लिए आप अलग से जितनी भी वस्तुयें जोड़ना चाहें जोड़ सकते हैं। जब आप चित्र पूरा कर लें तो उसके लिए अच्छा सा शीर्षक सोचकर नीचे लिख दीजिए। शीर्षक को आप जितना नवीन और रोचक बना सकते हैं, बनाने का प्रयत्न कीजिए।

ड्राइंग की सुन्दरता पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। चित्र भले ही कैसा हो देखना तो यह है कि आपका बनाया हुआ चित्र कितना अनोखा है। इसलिए नकल करने से कोई लाभ नहीं होगा।

प्रत्येक चित्र बनाने के लिए ५ मिनट का समय अलग-अलग दिया जायेगा।

हरण

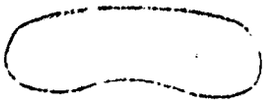

इस आकृति को पहले चित्र में आदमी की पगड़ी और दूसरे चित्र में पेड़ का खोखला माना गया है। इसी प्रकार आप भी अगले पृष्ठ की आकृतियों को कुछ भी मान कर एक नवीन और रोचक चित्र बना सकते हैं।

(१)

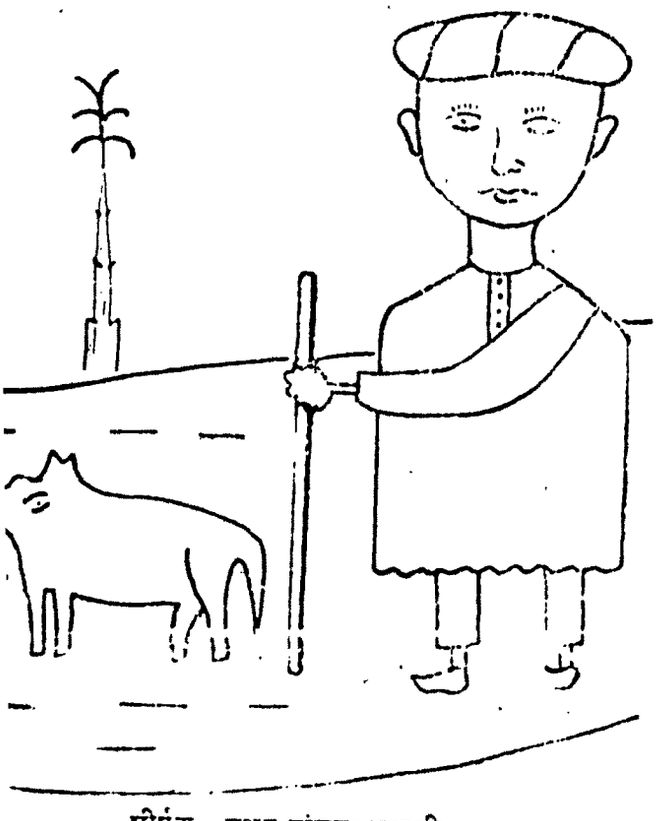

शीर्षक—सुअर हांकता आदमी

(२)

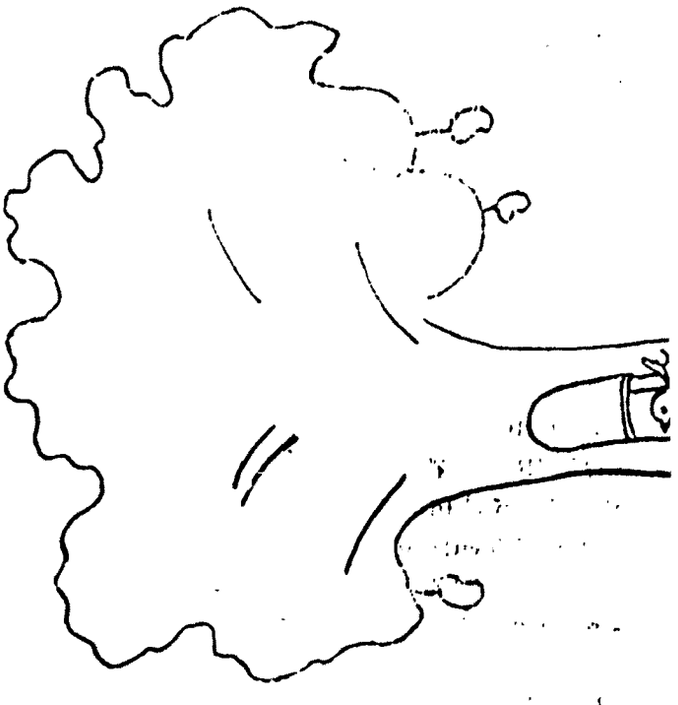

(कागज घुमाकर बनाया गया चित्र)

शीर्षक—पेड़ के खोखले में अंडे पर बैठी हुई चिड़िया

(१) (१)

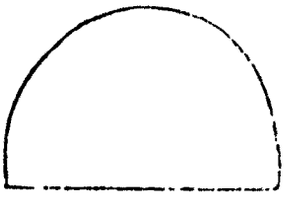

शीर्षक—

(२)

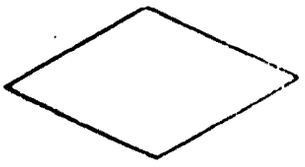

शीषक—

कार्य—२

निर्देशः

इस पृष्ठ एवं अगले पृष्ठों पर दस अपूर्ण आकृतियां दी गई हैं। प्रत्येक आकृति को पूरा करने के लिए रेखाओं की सहायता से आप ऐसा नवीन तथा रोचक चित्र बनाइये जो आपके विचार में कोई और न सोच सकता हो।

चित्र को अधिक से अधिक रोचक बनाने के लिए आप जितनी भी रेखाऐं जोडना चाहें जोड़ सकते हैं। जब आप चित्र बना चुकें तब उसके लिए एक अनोखा तथा रोचक शीर्षक नीचे लिख दीजिए। शीर्षक को आप जितना नवीन और रोचक बना सकते हैं बनाने का प्रयत्न कीजिए।

सम्पूर्ण कार्य के लिए १५ मिनट का समय है।

उदाहरण—

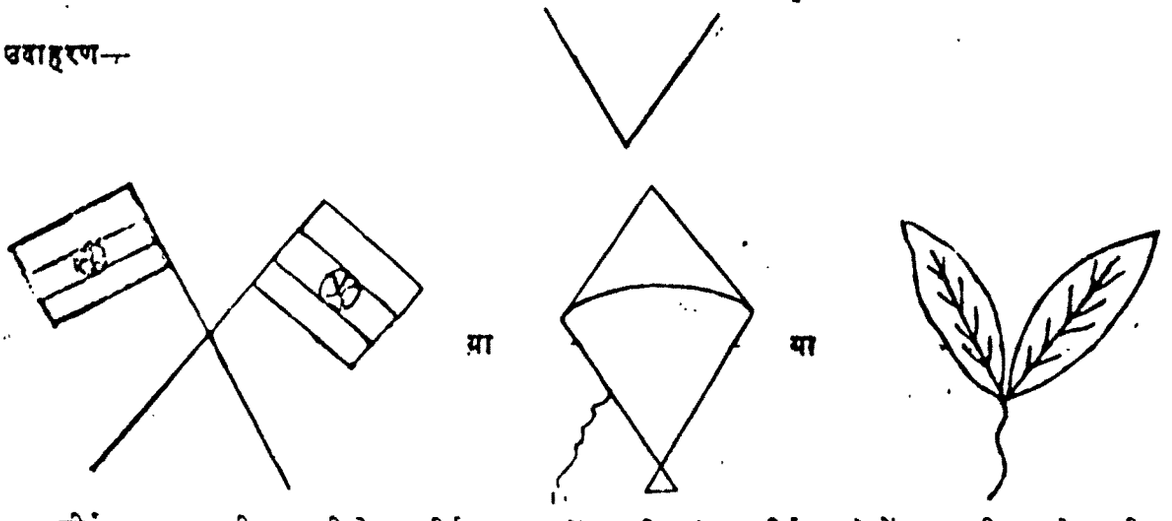

शीर्षक—भारत की आज़ादी के तिरंगे झंडे

या

शीर्षक—हवा में उड़ती पतंग

या

शीर्षक—पेड़ों पर भली लगने वाली पत्तियां

(१)

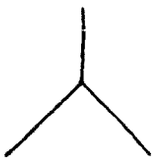

शीर्षक—

(२)

शीर्षक—

(३)

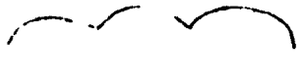

शीर्षक :—

(४)

शीर्षक :—

(५)

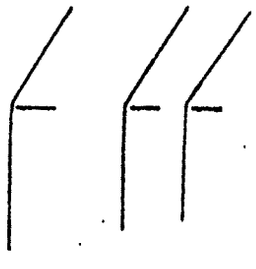

शीर्षक :—

(६)

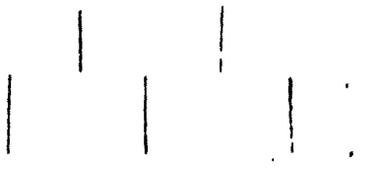

शीर्षक :—

(६)

(७)

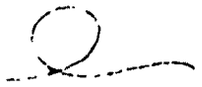

शीर्षक :—

(८)

शीर्षक :—

(९)

शीर्षक :—

(१०)

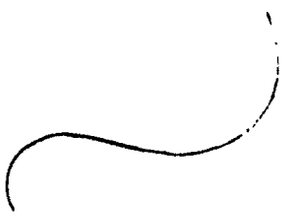

शीर्षक :

कार्य—३

निर्देश:—

इस पृष्ठ एवं अगले पृष्ठों पर कुछ त्रिभुजाकार तथा अण्डाकार आकृतियां दी गई हैं। आपको प्रत्येक आकृति को अंग मानकर एक नवीन तथा रोचक चित्र बनाना है। चित्र को रोचक बनाने के लिए आप जितनी भी रेखायें अन्दर या बाहर बनाना चाहें बना सकते हैं। चित्र ऐसा होना चाहिए जो आपके विचार में कोई और न बना सकता हो। प्रत्येक चित्र अलग-अलग विचारों के आधार पर बनाइए और इस बात का ध्यान रखिए कि चित्र किसी पूरी बात को स्पष्ट करता हो। प्रत्येक चित्र के नीचे उसका एक शीर्षक भी लिखिए। शीर्षक को आप जितना नवीन और रोचक बना सकते हैं बनाने का प्रयत्न कीजिए। यह आवश्यक नहीं कि सम्पूर्ण त्रिभुज समाप्त करके ही अण्डाकार आकृतियों के चित्र बनाएं। जब आपके त्रिभुज सम्बन्धी विचार समाप्त हो जायें तो आप अण्डाकार आकृतियों से चित्र बनाना शुरू कर दें।

पूरे कार्य के लिए १० मिनट का समय है।

(१)

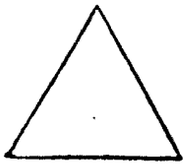

क :—

(२)

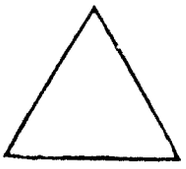

शीर्षक :—

(८)

(३)

शीर्षक :—

(४)

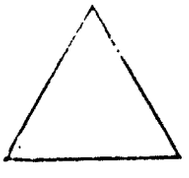

शीर्षक :—

(५)

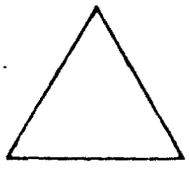

शीर्षक :—

(६)

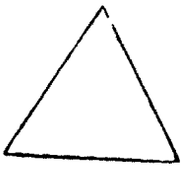

शीर्षक :—

(७)

शीर्षक :—

(८)

शीषक ।—

(९)

(९)

शीर्षक :—

(१०)

शीर्षक

(१०)

(११)

शीर्षक :—

(१२)

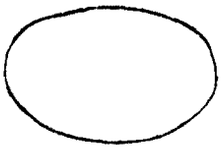

शीर्षक :—

(१३)

शीर्षक :—

(१४)

शीर्षक :—